कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

कार्यालय आदेश

अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग–4 उत्तराखण्ड शासन, देहरादून के पत्र संख्या–1196/XXIV-C-4/2021–01(06)/2019 दिनांक–08 अक्टूबर 2021 के क्रम में माननीय कुलपति जी से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में निम्नवत् प्रकोष्ठ की स्थापना की जाती है–

क्र0 सं0	प्रकोष्ठ का नाम	प्रकोष्ठ प्रभारी का नाम/पदनाम	कार्य
1.	उद्योग–अकादमिक एकीकरण एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ (Industry Academic Integration and Skill Devlopment Cell)	डॉ0 महेन्द्र राणा, सहायक प्राध्यापक, भेषज विज्ञान विभाग, भीमताल	• माध्यमिक, पौलीटैक्निक , आई.टी.आई के साथ उच्च शिक्षा का समन्वय स्थापित करना। • व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा के क्षेत्रों की पहचान करना। • व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा के प्रायोगिक भाग/इंर्टन्शिप के लिए MOU करना। • कौशल विकास के लिए स्थानीय उद्योगों के साथ मिलकर पाठ्यक्रम तैयार कराना। • स्थानीय स्तर पर व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा के क्षेत्रों से छात्रों का अवगत कराना। • छात्रों को ऑनलाईन, व्यवसायिक एवं कौशल शिक्षा कोर्स करने के लिए मदद करना। • क्षेत्रीय उद्योगों/संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर MOU करना। • क्षेत्रीय उद्योगों/संस्थानों की पहचान कर अध्ययनरत विद्यार्थियों को इंटर्नशिप हेतु भेजना। • संस्था के समझौता–ज्ञापन (MOU) का ड्राफ्ट तैयार करना • संस्था के हित में विभिन्न प्रकार के समझौता–ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर करना। • समझौता–ज्ञापन (MOU) की क्रियाशीलात सुनिश्चित करना।
2.	ऑनलाईन शिक्षा एवं LMS प्रकोष्ठ (Online Education and LMS cell)	डॉ0 युगल कुमार जोशी, वरिष्ठ सूचना वैज्ञानिक, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।	• संस्था का LMS तैयार कर उसका संचालन सुनिश्चित करना। • संस्था के समस्त कार्यालयी कार्यों को डिजिटल माध्यम से कराना। • पुस्तकायल में प्री–लोडेड टैब्स उपलब्ध करवाना।

			• संस्थान में ई–लर्निंग पार्क की स्थापना करवाना। • विभिन्न ऑनलाइन पाठ्यक्रमों से छात्रों को अवगत कराना तथा उसके लिए उन्हें प्रेरित करना।
3.	शिक्षण प्रशिक्षण प्रकोष्ठ (Teachers' Re-Skilling Cell)	डॉ0 दिव्या जोशी उपाध्याय, UGC HRDC Nainital.	• शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का वार्षिक कैलेण्डर तैयार कराना। • शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना। • शिक्षकों को विभिन्न प्रकार के क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय प्रशिक्षण। • कार्यक्रम से अवगत कराना। • भविष्य में प्रयोग होने वाली शिक्षण तकनीकी से शिक्षकों को अवगत कराना।
4.	अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (Research Devlopment cell)	डॉ0 ललित मोहन तिवारी, प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान विभाग, डी0एस0बी0,परिसर नैनीताल।	• उच्च गुणवत्ता के शोध हेतु दिशा–निर्देश तैयार करना। • शिक्षकों/विद्यार्थियों को शोध योजना बनाने में मदद करना। • विभिन्न प्रकार की शोध अनुदान योजनाओं से शिक्षकों/विद्यार्थियों को अवगत कराना। • शोध हेतु उद्योगों/अन्य शिक्षण संस्थानों के साथ अनुबन्ध करना। • राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय स्तर पर द्विपक्षीय शोध करना। • शोध हेतु कार्यशालाओं का आयोजन करना।
5.	संस्थागत विकास योजना प्रकोष्ठ (Institutional Devlopment Plan(IDP) Cell)	प्रो0 राजीव उपाध्याय एवं प्रो0 प्रदीप गोस्वामी भू–विज्ञान विभाग, डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल।	• संस्था के लघु एवं दीर्घ उद्देश्यों (Annual, Five year plan upto 15 year) पर आधारित "संस्थागत विकास योजना" तैयार करना। • संस्थान, शिक्षक एवं छात्र मूल्यांकन के लिए नीति तैयार करना तथा उसके अनुरूप सतत् मूल्यांकन करना। • संस्था का NIRF में प्रतिभाग करना तथा NAAC से प्रत्यायन कराना।
6.	एक्टिविटी क्लब (Activity-Club)	डॉ0 नीलू लोधियाल सह प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग, डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल।	• संस्था में विभिन्न प्रकार की गतिविधियॉं आयोजित करना तथा संस्था के छात्रों को क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हो रही गतिविधियों में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करना। • संस्था के छात्रों को सामुदायिक सेवा के लिए प्रेरित करना। • सामुदायिक सेवा हेतु वार्षिक कैलेण्डर तैयार

			करना। • संस्थान द्वारा किसी गांव को गोद लेकर उसके विकास में मदद करना। • पर्यावरण जागरूकता एवं संरक्षण अभियान चला कर विद्यार्थियों/स्थानीय लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना। • संस्था की वार्षिक ग्रीन आडिट रिपोर्ट तैयार कर उसे वेबसाईट पर प्रदर्शित करना। • संस्था के अन्दर पर्यावरण संरखण (रेन वाटर हार्वेस्टिंग, अक्षय ऊर्जा, वर्मीकम्पोस्ट, जल संरक्षण, पेपर री–साईक्लिंग आदि) के उपाय करना। • संस्था के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित करना। • विद्यार्थी भ्रमण के लिए विभिन्न सरकारी/गैर–सरकारी योजनाओं से छात्रों को अवगत कराना तथा उसका लाभ लेना।
7.	भारतीय भाषा, संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ (Indian Language, Culture and Arts Cell)	डॉ चन्द्रकला रावत प्राध्यापक, हिन्दी विभाग डी0एस0बी0परिसर, नैनीताल।	• क्षेत्रीय संस्कृति एवं कला की पहचान कर उन पर कार्यक्रम आयोजित करना। • क्षेत्रीय राष्ट्रीय अर्न्तराष्ट्रीय संस्कृति एवं कला महोत्सव आयोजित करना एवं छात्रों को प्रतिभाग कराना। • भारतीय भाषा विकास क्लब की स्थापना करना तथा इससे विभिन्न भारतीय भाषा जानने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को जोड़ना। • छात्रों को विभिन्न भारतीय भाषाओं को ऑनलाइन/ऑफलाइनन माध्यम से सीखने में मदद करना।
8.	दिव्यांग सहायता एवं वंचित समूह सहायता योजना प्रचार–प्रसार प्रकोष्ठ(Cell for differently abled students and SEDGs)	डॉ0 शिवांगी चन्याल, सहायक प्राध्यापक, अंग्रेजी विभाग, डी0एस0बी0परिसर नैनीताल।	• वंचित समूहों को संस्था की विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करना। • वंचित समूहों के लिए हेल्प–डेस्क की स्थापना करना। • वंचित समूहों के लिए चल रही योजनाओं से उन्हे अवगत कराना तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में उनकी मदद करना। • दिव्यॉगों के लिए हेल्प–डेस्क की स्थापना करना। • संस्था में दिव्यांग को आवश्यकताओं को सुनिश्चित करना। • दिव्यांगों के लिए आवश्यक कार्य कराने हेतु संस्था प्रमुख को अवगत कराना।

			• दिव्यांगों के लिए चल रही योजनाओं से उन्हे अवगत कराना तथा योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में उनकी मदद करना।
9.	मेन्टरिंग एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ (Mentoring and Counselling Cell)	डॉ0 नीता बोरा शर्मा प्राध्यापक राजनीति विज्ञान विभाग, डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल।	• संस्था के छात्रों के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श कार्यशालायें आयोजित करना। • मनोवैज्ञानिक समस्याओं से जूझ रहे छात्रों को मनोवैज्ञानिक मदद देना तथा उनके परिवार को अवगत कराना। • प्रत्येक छात्र के लिए प्रवेश के समय एक शिक्षक को मेंन्टर नियुक्त करना। • संस्था की मेंन्टर–मेंन्टी पॉलिसी तैयार करना। • छात्रों को व्यवसायिक सहायता देना। • छात्रों को व्यक्तिक सहायता देना। • छात्रों के जीवन कौशल एवं व्यक्तित्व विकास के कार्यक्रम आयोजित करना।
10.	अर्न्तराष्ट्रीय छात्र सहायता प्रकोष्ठ	डॉ0 अमित जोशी, विभागाध्यक्ष, प्रबंध अध्ययन विभाग, भीमताल।	• अर्न्तराष्ट्रीय छात्रों को आवश्यक सहायता एवं सुविधायें प्रदानं

सभी प्रकोष्ठ प्रभारियों से अनुरोध है कि उक्तानुसार त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट माननीय कुलपति जी को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगें।

कुलसचिव
कुमाऊँ विश्वविद्यालय,
नैनीताल

पत्रांकःसं0–के0यू0 / आर0ओ0 / 2021–22 / 357 दिनांक 07–02–2022

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अपर सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग –4 उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
2. सम्बन्धित प्रकोष्ठ प्रभार, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।
3. परिसर निदेशक, डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल / सर0 जे0सी0 बोस तकनीकी परिसर, भीमताल।
4. समस्त निदेशक, प्रशासनिक भवन, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।
5. समस्त विभागाध्यक्ष, सम्बन्धित विभाग, डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल / भीमताल
6. वित्त नियंत्रक, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।
7. परीक्षा नियंत्रक, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।
8. श्री के0के0 पाण्डेय, प्रभारी विश्वविद्यालय वेबसाइट को विश्वविद्यालय वेबसाइट में अपलोड हेतु।
9. निजी सचिव कुलपति को मा0 कुलपति जी के अवलोकनार्थ।

कुलसचिव
कुमाऊँ विश्वविद्यालय,